पेथिया डिब्रूगढ़ेंसिस

[स्रोत: CIFRI]

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान (ICAR-CIFRI) के शोधकर्त्ताओं ने ब्रह्मपुत्र नदी में **साइप्रिनिड मछली** की एक **नई प्रजाति** की खोज की है, जिसका नाम **पथिया डिब्रूगढ़ेंसिस (Pethia Dibrugarhensis)** रखा गया है।

- इसका नाम असम के **डिब्रूगढ़ ज़िले** के नाम पर रखा गया है, जहाँ इसे पहली बार देखा गया था।

पेथिया डिब्रूगढ़ेंसिस

- **वर्गीकरण:** यह **मछली साइप्रिनिडी (Cyprinidae) परिवार** (जिसमें **कार्प (Carps)** और **मिनोज़ (Minnows)** भी शामिल हैं) से संबंधित है, जिसे सामान्यतः **"बार्ब्स (Barbs)"** के रूप में जाना जाता है, यह **एशिया, यूरोप और अफ्रीका** में पाई जाने वाली **छोटे से मध्यम आकार** की मीठे पानी की मछलियाँ हैं।
  - हालाँकि इस प्रजाति में **सामान्य बरबल्स (barbels)** नहीं पाए जाते, फिर भी इसकी आकृतिक विशेषताओं के आधार पर इसे बार्ब की श्रेणी में रखा गया है।
- **आवास:** यह मछलियाँ **मटमैले-रेतीले-पथरीली सतह** वाले **मध्यम तेज प्रवाह वाले पानी** में पाई जाती है तथा वहाँ की **स्थानीय मीठे पानी की अन्य प्रजातियों** के साथ सह-अस्तित्व में रहती है।
- **मुख्य विशेषताएँ:**
  - अपूर्ण पार्श्व रेखा
  - पूँछ के पास काले रंग का धब्बा
  - ह्यूमेरल चिह्न तथा बरबल्स का अभाव

ICAR-CIFRI

- **यह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR)** के अंतर्गत एक प्रमुख अनुसंधान संस्थान है, जिसकी स्थापना **वर्ष 1947** में हुई थी, जो भारत में **अंतर्देशीय खुले जल मत्स्य पालन के सतत् प्रबंधन** के लिये समर्पित है।
- इसका मुख्यालय **बैरकपुर, पश्चिम बंगाल में है और यह मत्स्य पालन**, **जलीय जैव विविधता संरक्षण** और **आजीविका सृजन** को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ब्रह्मपुत्र नदी

- **ब्रह्मपुत्र** का उद्गम मानसरोवर झील (तिब्बत) के पास **चेमायुंगदुंग हिमनद (ग्लेशियर)** से होता है, जिसे तिब्बत में **यारलुंग त्संगपो** और अरुणाचल प्रदेश में **सियांग/दहिांग** के नाम से जाना जाता है।
    - यह **तिब्बत (चीन), भारत और बांग्लादेश** से होकर प्रवाहित होती है।
- प्रमुख सहायक नदियों में **लोहित, दिबांग, सुबनसिरी, जियाभाराली, धनसिरी, मानस, तोरसा, संकोश, तीस्ता, दिखो, धनसिरी** और **कोपिली** शामिल हैं।
- **असम में स्थित माजुली द्वीप** विश्व का **सबसे बड़ा नदी द्वीप** है।

और पढ़ें: [मत्स्य पालन क्षेत्र में परिवर्तन]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pethia-dibrugarhensis